Roll No. ....

ED–2154

B. A. (Part II) EXAMINATION, 2021

HINDI LITERATURE

Paper Second

(हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएँ)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 75

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के उत्तर सक्रम लिखिए।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 21

(क) दुहाई परमेश्वर की, अरे मैं नाहक मारा जाता हूँ!

अरे यहाँ बड़ा ही अंधेर है, अरे गुरुजी महाराज का कहा मैंने न माना उसका फल भोगना पड़ा।

गुरुजी कहाँ हो! आओ, मेरे प्राण बचाओ, अरे मैं बेअपराध मारा जाता हँू।

अथवा

जात ले जात, टके सेर जात। एक टका दो, हम अभी अपनी जात बेचते हैं। टके के वास्ते ब्राह्मण से धेबी हो जायँ और धोबी से ब्राह्मण कर दें, टके के वास्ते जहाँ कहो वैसी व्यगधा दें। टके के वास्ते झूठ को सच करें। टके के वास्ते ब्राह्मण से मुसलमान, टके के वास्ते हिन्दु से क्रिस्तान। टके के वास्ते धर्म और प्रतिष्ठा दोनों बेचें, टके के वास्ते झूठी

गवाही दें। टके के वास्ते पाप को पुण्य मानें, टके के वास्ते नीच को भी पितामह बनावें। वेद धर्म कुल मरजादा सचाई-बड़ाई सब टके सेर लुटाय दिया अनमोल माल। ले टके सेर।

(ख) क्रोध सब मनोविकारों में फुर्तीला है, इसी से अवसर पड़ने पर वह और दूसरे मनोविकारों का भी साथ देकर उनकी तुष्टि का साधक होता है। कभी वह दया के साथ कूदता है, कभी घृण के साथ।

अथवा

शहर मुझे काई भी अजनबी नहीं लगता, पर शहरियत बड़ी वैसी लगती है, शहरियत का तनाव जैसे सूचना देता हो कि जहरीली गैस चारों ओर फैल रही है, उससे बचो। किसी भी बात पर दिलमजई नहीं होती, न पृथ्वी के वातावरण के प्रदूषण से उपस्थित होने वाले प्रलय की चेतावनी पर, न मनुष्य के तकनीकी कौशल की अपार क्षमता में विश्वास करने वलो वैज्ञानिकों के स्वर्णिम भविष्य के सपनों पर। पर अमराई है कि संशय, अभ्रक और अविश्वास का आस्फालित करके भी एक ऐसी आकुलता पैदा करती है कि फिर काई अपना बने न बने, पराया नहीं रह पाता।

(ग) आप मानते हैं कि हर एक आदमी को जाजी की जिंदगी में दाखिल होना जरूरी है। जैसा मैं प्रायः कहता हूँ कि दुनियाँ साझे की दुकान है और एक-एक बालिग आदमी का कर्त्तव्य है कि उसका साझेदार हो। अगर इस कोशिश में आप अपनी जात नहीं रवया देते, तो अप मनुष्य कहलाने का कोई हक नहीं रखते।

अथवा

उस बैचेनी के खत्म होने का वक्त भी आ रहा है। देखो, ये तारे दल रहे है। रात भर इन्होंने रोशनी की और अब वे अपनी आखिर घड़ियाँ गिन रहे हैं। हम भी गिन रहे हैं; लेकिन हमने उम्र भ्र अंधेरा ही फैलाया। उजाले की कोई किरन नहीं रही। हम मौत को ही उजाला दे सके तो अपने को खुश किस्मत समझेंगे। सुबह हो गई क्या ?

2. नाटकी तत्वों के आधार पर भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के नाटक 'अंधेर नगरी' की समीक्षा कीजिए। 12

अथवा

हरिशंकर परसाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'बसन्त आ गया है' निबन्ध का सार अपने शब्दों में लिखिए।

3. एकांकी तत्वों की कसौटी पर 'स्ट्राइक' एक सफल एकांकी है। इस कथन की विवेचना कीजिए। 12

अथवा

'मम्मी ठकुराईन' एकांकी के तत्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

अथवा

उदयशंकर मृदु द्वारा लिखित एकांकी 'दस हजार' एकांकी का सारांश संक्षेप में लिखिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए।
   (i) हिन्दी एकांकी के विकास पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
   (ii) राहुल सांस्कृत्यायन का संक्षिप्त जीवन परिचय लिखिए।
   (iii) हबीब तनवीर का जीवन परिचय संक्षेप में लिखिए।
   (iv) महादेवी वर्मा की भाषा-शैली की विशेषताएँ बताइएं

(v) नाटक और एकांकी में अन्तर बताइए।

(vi) एक दिन एकांकी के आधार पर राजनाद्य का चरित्र चित्रण कीजिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 15

(i) भारतेन्दु का वास्तविक नाम क्या है ?

(ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

(iii) गोवर्धन किस पाठ का पात्र है ?

(iv) औरंगजेब की आखिरी रात के प्रमुख पात्र कौन है ?

(v) भुनेश्वर प्रसाद का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

(vi) स्ट्राइक एकांकी के रचनाकार कौन है ?

(vii) एक दिन एकांकी में किस बात का वर्णन है ?

(viii) बिसाखाराम किस एकांकी का पात्र है ?

(ix) मम्मी ठकुराईन के लेखक का नाम क्या है ?

(x) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी की मृत्यु कब हुई ?

(xi) बाबू गुलाबराय का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

(xii) ‘गाँव का मन’ निबन्ध के रचनाकार कौन है ?

(xiii) संध्यागीत एवं दीपशिखा के रचयिता का नाम लिखिए।

(xiv) ‘मिट्टी की गाडी’ नामक नाटक के रचयिता कौन है ?

(xv) ‘घासीराम’ किस नाटक का पात्र है ?